सोना-चांदी ने तोड़े सभी रिकॉर्ड

दिल्ली में सोना ?9,700 चढ़कर ?1,30,300 प्रति 10 ग्राम पहुँचा

चांदी ?1,57,400 प्रति किलोग्राम के ऐतिहासिक स्तर पर पहुँची

नयी दिल्ली, 06 अक्टूबर. विदेशी बाजारों में सुरक्षित निवेश के लिए हो रही भारी खरीदारी और रुपये में गिरावट के कारण सोमवार को सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गईं.

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, दिल्ली में सोना 9,700 की बड़ी तेजी के साथ 1,30,300 प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुँच गया, जबकि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु पिछले सत्र में 1,20,600 पर बंद हुई थी.स्थानीय सर्राफा बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,700 की तेजी के साथ 1,22,700 प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया.

चांदी में भी रिकॉर्ड उछाल- सफेद धातु चांदी की कीमतों में भी जोरदार तेजी देखी गई. यह 7,400 की तेजी के साथ 1,57,400 प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुँच गई, जो शुक्रवार को 1,50,000 प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी.

दिवाली से पहले की मांग ने स्पॉट मार्केट को और तेज किया है. दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,19,400 प्रति 10 ग्राम पर, जबकि मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता में 24 कैरेट 1,20,770 प्रति 10 ग्राम तक बिक रहा है.

एमसीएक्स बाजार में रिकॉर्ड तेज़ी-

मजबूत वैश्विक संकेतों के चलते घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दिसंबर 2025 कॉन्ट्रैक्ट में 1.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, और दाम 1,19,595 प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गए. अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और मजबूत फंडामेंटल्स के चलते भारतीय बाजार में सोने की मांग में तेज उछाल देखा जा रहा है.

महिंद्रा ने लॉन्च की नई बोलेरो

मुंबई, 6 अक्टूबर. महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सोमवार को अपनी लोकप्रिय SUV बोलेरो की नई रेंज लॉन्च की, जिसमें बोलेरो बोलेरो नियो 11 जैसे टॉप-एंड वेरिएंट शामिल हैं. नई बोलेरो रेंज 7.99 लाख से शुरू होती है, जबकि बोलेरो नियो 8.49 लाख से 9.99 लाख तक की कीमत में उपलब्ध होगी. कंपनी के ऑटोमोटिव डिविजन के सीईओ नलिनीकांत गोल्लगुंटा ने बताया, बोलेरो ने बीते 25 वर्षों में अपनी मजबूती और बहुउपयोगिता से भारतीय सड़कों पर एक अलग पहचान बनाई है. नई रेंज इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए उम्मीदों पर खरी उतरती है. नई बोलेरो में रिफ्रेश्ड फ्रंट ग्रिल, फॉग लैम्प्स, डायमंड-कट R15 अलॉय व्हील नया 'स्टेल्थ ब्लैक' कलर विकल्प दिया गया है.

सैटकॉम क्षेत्र तेज़ी से विस्तार की राह पर

सिंधिया ने कहा कि भारत का सैटेलाइट कम्युनिकेशंस क्षेत्र तेज़ वृद्धि के लिए तैयार है

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि नियामक ढांचे तैयार होने और जल्द लाइसेंसिंग प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही भारत का सैटेलाइट कम्युनिकेशंस क्षेत्र महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है. सिंधिया ने कहा कि भारत में सैटकॉम बाजार अगले कुछ वर्षों में दोगुना होने की उम्मीद है. तीन सैटकॉम लाइसेंस पहले ही जारी किए जा चुके हैं, और मंत्री ने विश्वास जताया कि बाजार तेजी से विस्तार करेगा.

सिंधिया के अनुसार, 6ज के मानक और प्रोटोकॉल 2027-28 तक अंतिम रूप ले लेंगे, और उपकरण निर्माण सहित निष्पादन का कार्य लगभग 2030 तक होने की उम्मीद है. 6G की क्षमता एआई, होलोग्राम और सर्जिकल प्रक्रियाओं जैसे उपयोगों को दर्शाती है. उन्होंने यह भी बताया कि ट्राई के जनादेश में वह हस्तक्षेप नहीं करेंगे.

सिंधिया ने भारत के सैटकॉम क्षेत्र की आशाजनक प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके लिए मार्ग पहले ही तैयार हो चुका है, नियमन प्रक्रिया में है, और लाइसेंसिंग व्यवस्था जल्द ही लागू होगी. उन्होंने 6जी प्रौद्योगिकी में भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, कहा कि पिछली पीढ़ियों (4जी, 5जी) में सीट न मिलने के विपरीत, भारत इस बार अर्ली मूवर है. भारत आईटीयू के साथ 6ज के मानकों और प्रोटोकॉल निर्धारण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल है, और सर्वव्यापी नेटवर्क सहित भारत के दो-तीन प्रस्ताव स्वीकार किए जा चुके हैं.

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सितंबर महीना रहा मजबूत

अगस्त के 59.3 की तुलना में कम होने के बावजूद मजबूत वृद्धि

प्रौद्योगिकी निवेश और सार्वजनिक नीतियां भी अनुकूल रहीं

मुंबई, 06 अक्टूबर. देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सितंबर में भी मजबूती जारी रही, हालांकि इसकी रफ्तार अगस्त के मुकाबले कुछ धीमी जरूर हुई है. माह दर-माह आधार पर आर्थिक गतिविधियों को आंकने वाले एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई सर्वेक्षण की सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) 60.9 रहा. अगस्त में यह 62.9 था. सूचकांक का 50 से ऊपर होना वृद्धि और इससे नीचे रहना गतिविधियों में गिरावट को दर्शाता है. वहीं 50 का स्तर स्थिरता दिखाता है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग में वृद्धि और नये क्लाइंट बनाने के मामले में सितंबर का महीना सेवा क्षेत्र की भारतीय कंपनियों के लिए सकारात्मक रहा. प्रौद्योगिकी निवेश और सार्वजनिक नीतियां भी अनुकूल रहीं जिससे उत्पादन में वृद्धि देखी गयी. सितंबर में नये ऑर्डरों में भी तेज वृद्धि हुई, हालांकि यह अगस्त के मुकाबले धीमी रही. हालांकि सेवा निर्यात की वृद्धि दर इस मार्च के बाद के निचले स्तर पर आ गयी. लागत में मुद्रास्फीति की रफ्तार कम रहने से कंपनियों के लिए कारोबार और आसान हुआ. भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में अगस्त के हाल के उच्च स्तर की तुलना में सितंबर में नरमी रही.

विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का संयुक्त सूचकांक 61.0 रहा

अधिकतर मोर्चों पर वृद्धि की रफ्तार सुस्त पड़ी है, लेकिन कुछ भी ऐसा नहीं रहा, जिससे यह संकेत मिलते हों कि सेवा क्षेत्र में वृद्धि की गति में कोई बड़ी गिरावट हो. इससे पहले विनिर्माण क्षेत्र का पीएमआई सितंबर में 57.7 रहा था जो अगस्त के 59.3 की तुलना में कम होने के बावजूद मजबूत वृद्धि दर्शाता है. विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का संयुक्त सूचकांक सितंबर में 61.0 रहा.

उज्ज्वला सिर्फ योजना नहीं, सम्मान का प्रतीक : हरदीप सिंह

नवरात्रि पर 25 लाख नए एलपीजी कनेक्शन, महिलाओं को धुएं से मिली आज़ादी

देशभर में अब तक 10.60 करोड़ परिवारों को मिला एलपीजी कनेक्शन

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर. केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को केवल रसोई गैस कनेक्शन से बढ़कर, महिलाओं को खाना पकाने के दौरान धुएं से मुक्ति दिलाने और परिवारों के लिए सम्मान सुनिश्चित करने वाला मील का पत्थर बताया.

मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर घोषणा की कि नवरात्रि के इस अवसर पर उज्ज्वला योजना ने 25 लाख नए एलपीजी कनेक्शन दिए हैं. इस बड़ी उपलब्धि के साथ, योजना अब देश के 10.60 करोड़ परिवारों के भविष्य को रोशन करेगी.

दुनिया का सबसे बड़ा क्लीन फ्यूल मिशन

पुरी ने कहा कि उज्ज्वला योजना को वर्ष 2016 में दुनिया के सबसे बड़े क्लीन फ्यूल मिशन के रूप में लॉन्च किया गया था. इस योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी जैसे स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना था, ताकि पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन (जैसे लकड़ी, कोयला, गोबर के उपले) के हानिकारक धुएं से ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा हो सके. यह योजना डिपॉजिट फ्री है, जिसमें लाभार्थी को स्टोव, सिलेंडर और पहला रिफिल भी शामिल करके दिया जाता है.

प्रमुख उपलब्धियां और विस्तार

लॉन्च और लक्ष्य प्राप्ति- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 1 मई 2016 को उत्तर प्रदेश के बलिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा योजना की शुरुआत की गई थी. मार्च 2020 तक 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य 7 सितंबर 2019 को ही हासिल कर लिया गया था.

उज्ज्वला 2.0- प्रवासी परिवारों को विशेष सुविधा देते हुए उज्ज्वला 2.0 के तहत 1.6 करोड़ एलपीजी कनेक्शन का अतिरिक्त आवंटन किया गया. दिसंबर 2022 तक इस योजना के अंतर्गत कुल कनेक्शनों की संख्या 9.6 करोड़ तक पहुंच गई थी.

सुरक्षा और डिजिटलीकरण- पुरी ने जानकारी दी कि अब 90 प्रतिशत रिफिल हर डिलीवरी पर सुरक्षा जांचों के बाद ऑनलाइन बुक किए जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है.

रेलवे के डाटाबेस के लिए नये सुरक्षा तंत्र तैयार करेगी एयरटेल

नयी दिल्ली, 06 अक्टूबर. एयरटेल भारतीय रेलवे के डाटाबेस के लिए नये सिरे से एक बहुस्तरीय साइबर सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी ताकि यात्रियों की पहचान, उनके भुगतान के विवरण तथा टिकटिंग, माल ढुलाई और सिग्नलिंग से संबंधित संवेदनशील डाटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

एयरटेल बिजनेस को रेलवे के डाटाबेस की साइबर सुरक्षा के लिए भारतीय रेलवे सुरक्षा परिचालन केंद्र से एक बहु-वर्षीय अनुबंध मिला है. कंपनी ने सोमवार को बताया कि रेलवे प्रतिदिन 13 हजार से अधिक ट्रेनों का संचालन करती है जिसमें दो करोड़ से अधिक यात्री सफर करते हैं. रोजाना लाखों की संख्या में ट्रांजेक्शन होते हैं और ट्रेनों में हर साल 1.5 अरब टन से अधिक माल की ढुलाई होती है. इन सब गतिविधियों से बहुत बड़े पैमाने पर डाटा भी सृजित होता है जिसकी सुरक्षा जरूरी है. एयरटेल बिजनेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक शरत सिन्हा ने कहा, आज के समय में जब बढ़ते साइबर जोखिम परिचालन निरंतरता, डाटा की अक्षुण्णता और यात्री सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं.

भुगतान आधारित नेटवर्क ट्विड ने शुरू किया यूपीआई ऐप

बेंगलुरु, 06 अक्टूबर. अग्रणी रिवॉर्ड-आधारित भुगतान नेटवर्क ट्विड ने सोमवार को ट्विड यूपीआई ऐप की शुरुआत की घोषणा की. ट्विड की तरह ही उसके यूपीआई ऐप पर भी उपभोक्ताओं को रिवॉर्ड का लाभ मिलेगा. उपयोगकर्ता एक ही प्लेटफॉर्म पर कई बैंकों, ब्रांडों और कार्यक्रमों से अपने रिवॉर्ड पॉइंट्स को आसानी से लिंक और प्रबंधित कर सकते हैं.

उपयोगकर्ता चेकआउट के समय अपने रिवॉर्ड पॉइंट्स को यूपीआई भुगतानों के साथ जोड़ सकते हैं, उन्हें तुरंत बचत में बदल सकते हैं और जेब से होने वाले खर्च को कम कर सकते

ट्विड ऐप पर प्रत्येक यूपीआई लेनदेन के साथ उपयोगकर्ता ट्विड स्टार्स अर्जित करेंगे, जिससे एक सुसंगत भुगतान अनुभव मिलेगा. ट्विड स्टार्स को विभिन्न व्यापारी भागीदारों के साथ एकत्रित किया और भुनाया जा सकता है.

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी

मुंबई, 06 अक्टूबर. घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 582.95 अंक (0.72 प्रतिशत) चढ़कर 81,790.12 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की निफ्टी-50 सूचकांक भी 183.40 अंक यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 25,077.65 अंक पर बंद हुआ. आईटी सेक्टर में जबरदस्त तेजी देखी गयी और एनएसई में आईटी समूह का सूचकांक 2.28 फीसदी मजबूत हुआ.

भारत दुनिया का तेज़ी से बढ़ता ऊर्जा बाज़ार

सौर, पवन और कोयला सभी ऊर्जा स्रोतों में बढ़ोतरी

हम दुनिया भर में गंभीर भू-राजनीतिक तनाव देख रहे हैं: डेल

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर. ब्रिटिश पेट्रोलियम के मुख्य अर्थशास्त्री स्पेंसर डेल ने कहा है कि वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों को अब तीन बड़े फैक्टर आकार दे रहे हैं - तकनीकी प्रगति (खासकर एआई), सामाजिक प्राथमिकताओं में बदलाव और भू-राजनीतिक तनाव. एआई से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी पहलुओं का संयुक्त असर ऊर्जा ट्रांजिशन को जटिल लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण बना रहा है.

तेजी से बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और लिक्विफाइड नेचुरल गैस दो ऐसे कारक बनकर उभर रहे हैं, जो आने वाले दशकों में ऊर्जा सेक्टर की दिशा और दशा तय करेंगे. ब्रिटिश पेट्रोलियम के शीर्ष अधिकारियों के मुताबिक, भारत इस बदलाव के केंद्र में है और आने वाले समय में ऊर्जा खपत और उत्पादन दोनों में अग्रणी भूमिका निभाएगा. डेल के अनुसार, हम दुनिया भर में गंभीर भू-राजनीतिक तनाव देख रहे हैं. साथ ही, जैसी तकनीकों में तेजी से हो रहे विकास और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव ऊर्जा बाज़ारों को नई दिशा दे रहे हैं. भारत की बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश वर्तमान में दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता ऊर्जा बाज़ार है.

समाचार विशेष

राज्यसभा के चुनाव दिलचस्प होंगे

24 अक्टूबर को पांचों सीटों पर वोटिंग

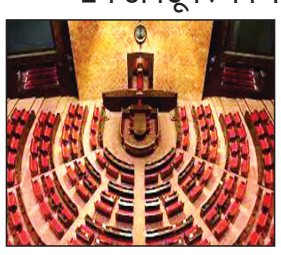

नई दिल्ली. राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनाव की घोषणा हो गई है. इसका इंतजार काफी समय से किया जा रहा था. इसमें चार सीटें जम्मू कश्मीर की हैं, जो करीब चार साल से खाली हैं और एक सीट पंजाब की है, जो कुछ समय पहले खाली हुई है. इस सीट पर उपचुनाव होने वाला है. चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक 24 अक्टूबर को इन पांचों सीटों पर वोटिंग होगी.

अगर पांच से ज्यादा नामांकन नहीं होते हैं तो नाम वापसी के आखिरी दिन पांचों सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा हो जाएगी. कई कारणों से इन पांचों सीटों का चुनाव दिलचस्प होगा. पंजाब में कौन आम आदमी पार्टी का उम्मीदवार कौन होगा, यह जानने में दिलचस्पी है तो जम्मू कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस क्या अकेले तीन सीट लेगी या कांग्रेस को एक सीट मिलेगी यह देखना होगा और दूसरे, भाजपा के प्रति निष्ठा दिखा रहे गुलाम नबी आजाद का क्या होगा, यह भी देखने वाली बात होगी. यह भी देखना होगा कि क्या सत्तारूढ़ गठबंधन चारों सीटों जीतने की कोशिश करेगा.

गौरतलब है कि गुलाम नबी आजाद के साथ चार लोग रिटायर हुए थे और उसके बाद से जम्मू कश्मीर में राज्यसभा का चुनाव नहीं हुआ है. आजाद के अलावा फैयाज अहमद मीर, नजीर अहमद लावी और शमशेर सिंह मिन्हास के रिटायर होने से ये सीटें खाली हुई थीं. मिन्हास और मीर 10 फरवरी 2021 को रिटायर हुए थे, जबकि आजाद और लावी 15 फरवरी को रिटायर हुए. चुनाव आयोग ने जो अधिसूचना जारी की है उसके मुताबिक 10 फरवरी 2021 को खाली हुई दोनों सीटों पर अलग अलग चुनाव होंगे. जाहिर है एक एक सीट का अलग चुनाव होगा तो सत्तारूढ़ दल यानी नेशनल कॉन्फ्रेंस के खाते में दोनों सीटें जाएंगी. क्योंकि एक सीट जीतने के लिए साधारण बहुमत की जरुरत है.

दूसरी ओर भाजपा के 28 विधायक हैं. पीडीपी के तीन, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के एक, आम आदमी पार्टी के एक और दो निर्दलीय विधायक किसी के साथ नहीं हैं. बहरहाल, चुनाव आयोग की अधिसूचना के मुताबिक 15 फरवरी 2021 को खाली हुई दो सीटों पर एक साथ चुनाव होंगे. इनके लिए एक अधिसूचना जारी हुई है. इसका मतलब है कि इन दो में से एक सीट जीतने के लिए 29 वोट की जरुरत होगी. इस लिहाज से नेशनल कॉन्फ्रेंस को एक सीट आसानी से मिल जाएगी लेकिन दूसरी सीट के लिए उसके पास चार वोट कम हो जाएंगे.

सिर्फ12 वोट से बदली किस्मत

कौन सी सीट पर हुआ इतना नजदीकी मुकाबला

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है. चुनाव की तारीखों का ऐलान किसी भी वक्त हो सकता है. लेकिन पांच साल बाद भी हिलसा विधानसभा सीट की चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है. वजह है 2020 का चुनाव. यहां हार-जीत का फैसला सिर्फ 12 वोटों से हुआ था.

हिलसा सीट से जेडीयू उम्मीदवार कृष्णमुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया ने जीत हासिल की थी. उन्होंने आरजेडी के अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव को मात दी थी. जेडीयू को 61,848 वोट मिले. जबकि आरजेडी को 61,836 वोट. यानी दोनों के बीच सिर्फ 12 वोट का अंतर रहा. वहीं एलजेपी के उम्मीदवार को 17,471 वोट मिले.

यह नतीजा उस वक्त सुर्खियों में रहा क्योंकि इतना कम अंतर बिहार ही नहीं बल्कि देशभर में चर्चा का विषय बना. आरजेडी ने आरोप लगाया कि गिनती के शुरुआती चरण में उनका उम्मीदवार 500 से ज्यादा वोट से आगे था. लेकिन अचानक रिजल्ट बदल गया.

नवंबर में सीएम बनेंगे डीके शिवकुमार

2 बड़े नेताओं ने किया दावा, सिद्धारमैया का सिंहासन डोला!

बेंगलुरु. कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन को लेकर बहस एक बार फिर छिड़ गई है. कुनिगल से कांग्रेस विधायक एचडी रंगनाथ ने अपने राजनीतिक गुरु, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को एक दिन मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखने की इच्छा जताई. वहीं, एक और नेता ने भी कुछ ऐसी ही अटकलें लगाई हैं.

रंगनाथ ने कहा कि पार्टी आलाकमान को 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत (224 में से 140 सीटें) में शिवकुमार की भूमिका को मान्यता देनी चाहिए. कांग्रेस नेता ने मीडिया से कहा कि मेरे लिए डीके शिवकुमार मेरे राजनीतिक गुरु हैं.

उन्होंने कहा कि हमने उन्हें समाज सेवा करते प्रशासनिक दक्षता का प्रदर्शन करते और विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाते देखा है. हर नेता कह रहा है कि शिवकुमार की कड़ी मेहनत के कारण कांग्रेस ने 140 सीटें जीतीं. इसलिए आलाकमान को उन्हें उचित सम्मान और मान्यता देनी चाहिए. रंगनाथ ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनता की भावनाओं को देखते हुए आने वाले दिनों में उनसे कर्नाटक की कमान संभालने की उम्मीद करना स्वाभाविक है. उन्होंने कहा, मुझे कोई और नेता दिखाओ जो सुबह 8 बजे से 3 बजे तक कड़ी मेहनत करता हो. उन्होंने आगे कहा कि उन्हें ईश्वर का आशीर्वाद, आलाकमान का विश्वास और जनता का प्यार प्राप्त है. इसलिए एक दिन वह मुख्यमंत्री ज़रूर बनेंगे.

अगले ढाई साल तक भी सत्ता में रहूंगा : सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे. पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, लोग कहते रहते हैं कि नवंबर में ढाई साल पूरे हो जाएंगे. मैं यही कह रहा हूं कि आलाकमान जो भी फैसला करेगा, हमें उसका पालन करना होगा. अगले साल मैसूर दशहरा पर मैं फूल क्यों न चढ़ाऊं? मुझे उम्मीद है कि मैं ऐसा करूंगा. मैं इतने सालों से यही करता आ रहा हूं. सिद्धारमैया ने कहा, मैंने ढाई साल पूरे कर लिए हैं और अगले ढाई साल तक सत्ता में रहूंगा.

विशेष — बिहार को एक नई राह पर ले जाने की कोशिश

क्या राजनीति की दिशा बदल पाएंगे पीके?

पटना. प्रशांत किशोर ने पहले दो साल तक राज्य का दौरा किया, लोगों की नब्ज पकड़ने की कोशिश की. फिर अक्टूबर 2024 में जन सुराज की स्थापना की.

बिहार में विधानसभा चुनावों का ऐलान इसी माह में कभी भी हो सकता है. इस बार के बिहार विधानसभा चुनावों को सबसे मुश्किल माना जा रहा है. इस बार न सिर्फ बिहार के लोगों की बल्कि देशभर के लोगों की नजरें इस चुनाव और इसके नतीजों पर लगी हैं. इसकी कई वजहें हैं.

यह मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद किसी राज्य में होने वाला पहला चुनाव है. महागठबंधन ने वोट चोरी के आरोपों को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया है. इस बार बिहार में चुनावों के दौरान लोगों के बीच एक नया चेहरा है. वह चेहरा प्रशांत किशोर का है, जिन्हें पीके कहा जाता है. अब तक दूसरे नेताओं को चुनाव जीताने वाले किशोर खुद चुनावी मैदान में ताल ठोंक रहे हैं. किशोर ने अपनी पार्टी जन सुराज के जरिए बिहार के लोगों की बुनियादी जरूरतों को उजागर करने की कोशिश की है. वह बिहार की राजनीति को जाति और वंशवाद के चंगुल से निकालकर एक नई राह पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने करीब तीन साल तक पूरे बिहार की पदयात्रा की है. वह शहर-शहर, गांव-गांव घूमकर लोगों से यह पूछते रहे हैं कि आज बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य है तो इसका जिम्मेदार कौन हैं.

उन्होंने बिहार के लोगों से राज्य पर लगे पिछड़ेपन के दाग को हटाने और विकास के रास्ते पर ले जाने का वादा किया है. उनका फोकस पलायन रोकने और बिहारियों को रोजगार के मौके उपलब्ध कराने पर है. हाल में हुए सर्वे बताते हैं कि किशोर की बातों का असर लोगों पर पड़ रहा है. उनकी लोकप्रियता बढ़ रही है. सी-वोटर के प्री-पोल सर्वे के नतीजें बताते हैं कि जन सुराज पार्टी बिहार में चुनाव जीतने नहीं जा रही है, लेकिन यह कई सीटों के नतीजों को प्रभावित कर सकती है. सर्वे में शामिल 20 फीसदी लोगों का मानना है कि जन सुराज एनडीए को नुकसान पहुंचाएगी. 18 फीसदी का मानना है कि यह महागठबंधन को चोट पहुंचाएगी. 35 फीसदी लोगों का मानना है कि यह राज्य के दोनों गठबंधनों को चोट पहुंचाएगी. 49 साल के किशोर एक ब्राह्मण हैं. वह लगातार राजद को 1990 के दशक के बिहार के जंगल राज के लिए जिम्मेदार बता रहे हैं.

केजरीवाल की राह पर

ऐसा लगता है कि एनडीए और महागठबंधन के बाद जन सुराज राज्य में तीसरी सबसी बड़ी पार्टी के रूप में उभरने जा रही है. 2024 के उप-चुनावों में जन सुराज ने कुल चारों सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए. इनमें से तीन में उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई. सूत्रों का कहना है कि जन सुराज राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. किशोर बिहार में जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं, वैसी ही राजनीति कभी अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में की थी. वह भी राजनीति में नए थे. उन्होंने भी नई पार्टी बनाई थी. लेकिन, 10 साल से ज्यादा समय तक दिल्ली में सत्ता में रहने के बाद जनता का केजरीवाल की पार्टी से मोहभंग हो गया.